मूल्य 1 रु.

वर्षः 13 - अंक : 241, मुंबई, मंगलवार, 14 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥

MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू बदाम बर्फी

91678 99501

zomato SWIGGY amazon

www.mmmithaiwala.in

sales@mmmithaiwala.in

MM MITHAIWALA

Opp. Rly. Stn., Malad (W) | Tel.: 2889 9501

## सूचना

बलिप्रतिपदा के पावन अवसर पर 'मुंबई हलचल' कार्यालय में आज मंगलवार 14 नवंबर 2023 को अवकाश रहेगा, जिससे 15 नवंबर 2023 का अंक प्रकाशित नहीं होगा। अब हमारी अगली मुलाकात 16 नवंबर 2023 को होगी।

**- संपादक**

## दिवाली की रात पुणे में आग का तांडव

**पटाखों से आग लगने की 16 घटनाएं, करोड़ों का नुकसान**

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** देशभर में रविवार को लक्ष्मी पूजन के दिन दिवाली बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान पटाखों की वजह से आग लगने की कई बड़ी घटनाएं हुई। पुणे में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में काफी नुकसान हुआ है। सौभाग्य से इन घटनाओं में कोई भी घायल नहीं हुआ। उधर, अग्निकांड में करोड़ों का नुकसान होने की आशंका है। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर कर आग पर काबू पाया। पुणे शहर में दिवाली के दिन (रविवार) रात 10 बजे तक पटाखों के कारण आग लगने की 16 घटनाएं हुईं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

# मुंबई में टिकटों की कालाबाजारी

## 4 गुना कीमत पर बिके वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के टिकट, पुलिस ने जाल बिछाकर 1 शख्स को किया गिरफ्तार

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत कर रहा है, ऐसे में पूरे देशभर में इसकी धूम मची हुई है। वर्ल्ड कप का ये मुकाबला बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, अब होने वाली 2 सेमीफाइनल को देखने के लिए लोग बेताब है। बता दें कि टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के लिए 2 टीमें पक्की हो गई है और अब पूरी दुनिया को भारत में सेमीफाइनल का रोमांच देखने को मिलने वाला है। हर कोई इस मैच की टिकटें खरदीने के लिए अपने एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है, कोई ऑनलाइन टिकट बुक करा रहा है, तो कोई 4 गुना कीमत पर मैच के टिकट बेच रहा है। इसकी एक खबर हाल ही में मुंबई से सामने आ रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

### टिकिट बेचने का व्हाटस एप पर मेसेज

जानकारी के लिए आपको बता दें कि अब जे. जे. थाने में आईपीसी की धारा 420 और 511 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस आरोपी को टिकट कहां से मिला, क्या इसमें और भी आरोपी शामिल हैं? पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी की ओर से व्हाट्सएप पर टिकट उपलब्धता को लेकर एक मैसेज भी सकुर्लेट किया गया था।

**ये है सेमीफाइनल की टीमें :** गौरतलब हो कि पहला सेमीफाइनल मैच टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच कल यानी 15 नवंबर को खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 16 नवंबर को खेला जाएगा।

## सलमान खान के फैंस ने थिएटर में फोड़े पटाखे

### केस दर्ज, एक्टर ने की अपील

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' दिवाली पर रिलीज के साथ ही धमाल मचा रही है। पहले ही दिन 'टाइगर 3' ने रिकॉर्ड कमाई की है। इस बीच महाराष्ट्र के मालेगांव में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक थिएटर में पटाखा फोड़ेने की घटना हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई है। साथ ही सलमान खान ने इस हरकत को बहुत खतरनाक बताया है और अपने फैंस से बिना दूसरों को खतरे में डाले फिल्म का आनंद लेने की अपील की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

# म्यामांर में एयरस्ट्राइक की वजह से भारतीय सीमा में घुसे 2,000 नागरिक

**मुंबई हलचल/संवाददाता / नई दिल्ली।** म्यांमार में सेना (म्यांमार जुंटा) और विद्रोही गुटों के बीच पिछले कुछ समय से सशस्त्र संघर्ष चल रहा है। इससे देश में हालात बिगड़ गए हैं। विद्रोही गुटों की बगावत से म्यांमार में सैन्य शासन को चुनौती भी मिल रही है। म्यांमार में चल रही इस हिंसा का असर लोगों पर भी पड़ रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

**मिजोरम में ली शरण :** म्यांमार से भारत की बॉर्डर पार करके आए इन लोगों ने मिजोरम के चम्फाई जिले के जोखावथर में शरण ली। यहाँ पर यंग मिजो एसोसिएशन और दूसरे लोकल लोग इन शरणार्थियों की मदद कर रहे हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### कनाडा का फंसा कांटा

**पहले एंटनी ब्लिंकेन और फिर जस्टिन ट्रुडो के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है, भले इस बीच फिलस्तीन-इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो।**

दिवाली के दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत की दुखती रग को फिर से छेड़ा। उन्होंने आरोप दोहराया कि नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजनयिकों के कूटनीतिक अभयदान को रद्द कर भारत ने वियना संधि का उल्लंघन किया। खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप दोहराते हुए उन्होंने कहा कि बड़े देश अगर इस तरह ह्लअंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघनह्व करें, तो सारी दुनिया सबके लिए अधिक खतरनाक जगह बन जाती है। इसके ठीक पहले पिछले हफ्ते भारत और अमेरिका के बीच 2+2 वार्ता के लिए आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने भारत को निज्जर हत्याकांड के बारे में कनाडा में चल रही जांच में सहयोग करने को कहा है। इस बयान का सीधा मतलब है कि अमेरिका अपनी इस राय पर कायम है कि कनाडा के पास निज्जर की हत्या में भारत के हाथ के बारे में विश्वसनीय सबूत हैं और वहां चल रही जांच सही दिशा में है। इन दो बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला ठंडा नहीं हुआ है, भले इस बीच फिलस्तीन-इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो। भारत के नजरिए यह मामला इसलिए बेहद अहम है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन दशक में सभी सरकारों और खासकर मोदी सरकार की नीति भारत को अमेरिकी धुरी के करीब ले जाने की रही है। चीन की बढ़ती चुनौती के बीच हाल के वर्षों में अमेरिका ने भी भारत से अपने रिश्तों को खास तरजीह दी। इसके बावजूद निज्जर मामले में उसने भारत के रुख को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि चीन संबंधी चिंता इतनी बड़ी है कि भारत में अपने रणनीतिक निवेश को वह झटके से खत्म करने की स्थिति में नहीं है, फिर भी इस विवाद ने पश्चिम के साथ आगे बढ़ रहे रिश्तों में एक अवरोध जरूर खड़ा कर दिया है। अब यह भारत को तय करना है कि उसकी निगाह में अमेरिकी धुरी से जुड़ने में किए अपने रणनीतिक निवेश को बचाना महत्त्वपूर्ण है, या एक साथ सभी धुरियों को चुनौती देते हुए आगे बढ़ना।

# मौलाना अबुल-कलाम आजाद

## प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री के संक्षिप्त जीवनी और आजादी में उनका भूमिका, मो सालिम अबुल कलाम शकील इमामी पुर्व शिक्षक मदरसा इसलाहे इमानो अम्ल भौआड़ा

**मधुबनी संवाददाता मो सालिम आजाद**

**मौलाना** अबुल-कलाम आजाद का जन्म 11 नवंबर 1888 को मक्का में हुआ था। वह एक रूढ़िवादी मुस्लिम विद्वान परिवार से थे, उनके पूर्वजों का मूल नाम अबुल-कलाम गुलाम मुहियुद्दीन था, जो अफगानिस्तान से भारत आए थे। उनकी मां एक अरबी थीं और उनके पिता मौलाना खैरुद्दीन अफगान मूल के एक बंगाली मुस्लिम थे।

1912 में मौलाना अबुल कलाम आजाद ने मुसलमानों के बीच क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने के लिए उर्दू में अल-हिलाल नाम से एक साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशित करना शुरू किया। 1914 में ब्रिटिश सरकार ने चरमपंथी विचारों को फैलाने के लिए अल-हिलाल पर प्रतिबंध लगा दिया। उसके बाद उन्होंने अल-बलाघ नामक एक नई पत्रिका शुरू की। आजाद ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन करने के दौरान फिर से इस पत्रिका के माध्यम से क्रांतिकारी विचारों और राष्ट्रवाद का प्रचार करना शुरू कर दिया। 1916 में सरकार ने भारत विनियमन अधिनियम की रक्षा के तहत अल-बलाघ पर प्रतिबंध लगा दिया। उसे गिरफ्तार कर रांची में कैद कर लिया गया। 1920 में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। उसके बाद वे राष्ट्रीय कांग्रेस में

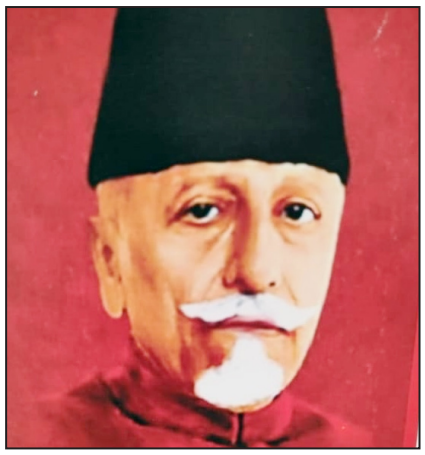

शामिल हो गए और असहयोग आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1923 में मौलाना अबुल-कलाम आजाद को दिल्ली में कांग्रेस के विशेष सत्र के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। 1930 में गांधी जी के नमक सत्याग्रह में भाग लिया। उन्हें फिर से गिरफ्तार कर मेरठ जेल भेज दिया गया, उन्हें एक साल बाद रिहा कर दिया गया। मौलाना अबुल-कलाम आजाद को रामगढ़ अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में स्पष्ट रूप से कहा कि धार्मिक अलगाववाद के विचार की अनदेखी करना बहुत महत्वपूर्ण है। वह एकीकृत राष्ट्र चाहते थे और उन्होंने विभाजन के साथ-साथ जिन्ना के दो राष्ट्र सिद्धांत का भी विरोध किया। आजादी के बाद मौलाना अबुल कलाम आजाद पंडित जवाहर लाल नेहरू के मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री बने। वह संविधान सभा के सदस्य थे, जो भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए जिम्मेदार था। मौलाना देश के लोगों के बीच शिक्षा का प्रसार करना चाहते थे। 1956 में उन्हें यूनेस्को के आम सम्मेलन दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। 1957 में उनकी प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम आई।

मेरी रायः मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि मौलाना अबुल-कलाम आजाद को एक स्वतंत्रता सेनानी या राजनीतिक व्यक्ति के रूप में कम आंका गया था। नेहरू, पटेल, डॉ प्रसाद, बॉस आदि के समकक्ष स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भी भागीदारी थी। वह जानते थे कि भारत के लिए क्या बेहतर है, उस समय के किसी भी राजनेता से बेहतर, वह जानते थे कि देश के फलने-फूलने के लिए एकता महत्वपूर्ण है।

# अदालत के आदेश का अनादर चिंताजनक

**दिवाली** के अगले दिन छपे हुए अखबार तो नहीं आए लेकिन अखबारों और न्यूज चैनलों की वेबसाइट पर जो सुर्खियां दिखीं वो बेहद चिंताजनक थीं। एक न्यूज चैनल की हेडलाइन थी धुएं में उड़ा सुप्रीम कोर्ट का आदेश तो एक दूसरी वेबसाइट ने लिखा दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ीं। दिवाली की रात दिल्ली के लोगों के एक समूह ने पटाखों पर पाबंदी के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाईं तो दूसरा समूह सर्वोच्च अदालत के आदेश के बेशर्म अनादर का बेबस साक्षी बना और सुबह होते होते पूरे देश को इसका पता चल गया। सो, पहला सवाल तो दिमाग में यह आता है कि इससे सुप्रीम कोर्ट की क्या इज्जत बची? लेकिन क्या सचमुच यह मामला सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या उसके मौजूदा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ या पटाखों पर पाबंदी के आदेश देने वाली पीठ के जजों की इज्जत का है या देश, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और करोड़ों अन्य लोगों के सम्मान व उनके जीवन के अनादर का मामला है? क्या यह देश और राज्य की सरकारों के लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए कि वे सर्वोच्च अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करा पाए? इन सवालों के जवाब बहुत सरल नहीं हैं।

पटाखों पर पाबंदी के आदेश का उल्लंघन कई पहलुओं से भविष्य के लिए खतरनाक और चिंताजनक है। इसमें एक पहलू धर्म का है। दूसरा पहलू न्यायपालिका के सम्मान का है, जिसकी रक्षा करना सरकार और नागरिक दोनों की जिम्मेदारी है और तीसरा पहलू करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य का है। पटाखों पर पाबंदी के मामले में धर्म का पहलू पहले दिन से जुड़ा है। एक बड़ा समुदाय ऐसा है, जो इसे हिंदू धर्म की मान्यताओं में अदालत के हस्तक्षेप के तौर पर देखता है। हालांकि ऐसा मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि बारूद मुगलों के साथ भारत आया और उससे पहले दिवाली पर पटाखे चलाने की परम्परा नहीं थी। पटाखे चलाना दिवाली की पूजा पद्धति या परम्परा का हिस्सा नहीं है। अदालत ने अपने फैसले में कहा भी कि इस पर पाबंदी किसी के धार्मिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। अदालत की यह टिप्पणी उसके आदेश के उल्लंघन का एक बड़ा कारण बनी।

असल में पिछले कुछ बरसों में हिंदुवादी संगठनों और देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की ओर से हिंदुओं

के जाग जाने या हिंदुओं के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जैसा हल्ला बनाया गया है उसकी परीक्षा ऐसे मौकों पर की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही इसकी शुरूआत हो गई थी। सोशल मीडिया में लोगों से यह अपील की गई कि वे अपनी ताकत दिखाएं और सुप्रीम कोर्ट को उसकी जगह। लोगों से खुल कर पटाखे चलाने की अपील की गई। और दिवाली के अगले दिन सोशल मीडिया में सुप्रीम कोर्ट ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा। लोगों ने पटाखे चलाने की वीडियो डाल कर सुप्रीम कोर्ट के लिए अभद्र टिप्पणियां की। समझदार लोगों ने भी यह सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट क्यों बार बार इस तरह के आदेश देता है, जिस पर अमल सम्भव नहीं है। सोचें, किसी दूसरे सभ्य देश में क्या ऐसा हो सकता है? सर्वोच्च अदालत कोई आदेश दे और उसका खुलेआम उल्लंघन हो और सरकारें व कानूनी एजेंसियां उसे चुपचाप देखती रहें? याद करें कैसे केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ था और तब देश के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अदालतों को ऐसे आदेश नहीं देने चाहिए, जिनका पालन नहीं किया जा सके। जिनके ऊपर अदालत के आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी है वो अगर ऐसी टिप्पणी करते हैं तो दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी के आदेश के उल्लंघन को आसानी से समझा जा सकता है।

इसका स्पष्ट संकेत यह है कि अदालतें बहुसंख्यक समुदाय के धर्म, मंदिर, त्योहार आदि के बारे में कोई ऐसा फैसला करती हैं, तो एजेंसियां उसे लागू कराने के लिए बाध्य नहीं होंगी और यह उस समुदाय के लोगों की मर्जी पर होगा कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं करते हैं। दिल्ली इसकी मिसाल बनी है। दिवाली की रात जब पूरी दिल्ली में अदालत के आदेश का प्रतिरोध करने के लिए पटाखे फोड़े जा रहे थे तब अनेक सजग नागरिकों ने पुलिस को फोन किया लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसकी कोई खबर नहीं है कि पुलिस ने कहीं पर लोगों को पटाखे चलाने से रोका या अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की। यही इस मामले का दूसरा पहलू है। कोई कार्रवाई नहीं करके केंद्र और उसकी एजेंसियों की ओर से अदालत को यह संदेश दिया गया है कि वह ऐसे फैसले नहीं करे, जिस पर अमल नहीं कराया जा सके। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक बात है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



# कल्याण फाटा परिसर में ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति द्वारा ध्वस्त की गई 22 दुकान को लेकर दुकान मालिकों ने लगाया शिल डायगर पुलिस और ठाणे मनपा प्रशासन पर अटलांटा बिल्डर से मिली भगत कर दुकान ध्वस्त करने का आरोप

**मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान मुंब्रा शिल।** गत 7 नवंबर मंगलवार को ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति की ओर से कल्याण फाटा परिसर स्थित अग्निशमन दल के बगल में बनी 22 दुकानों को ध्वस्त किया गया हालांकि इस तोड़क मामले में ठाणे मनपा आयुक्ताला के अतिक्रमण निष्कासन विभाग के सहायक आयुक्त महेश अहिरे ने बताया कि यह कार्रवाई कल्याण फाटा परिसर में उत्पन्न हो रही ट्रैफिक की समस्या को लेकर और प्रदूषण के कारण यह दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है उन्होंने बताया कि जो दुकानें बनाई गई है वह सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर बनाई गई है इसी कारण वर्ष यह तोड़क कार्रवाई की

जा रही है वहीं दूसरी ओर दुकानों के मालिक का कहना है यह तोड़क करवाई अटलांटा बिल्डर की इशारे पर ठाणे मनपा प्रशासन और पुलिस की मिली भगत से यह कार्रवाई की जा रही है क्योंकि हम वर्षों पहले से जगह खरीद कर हमने बड़ी मेहनत से हमारा रोजी रोटी कमाने का साधन बनाया था और अपने परिवार के साथ इस जगह पर अपना गुजर बसर कर रहे थे लेकिन अटलांटा बिल्डर द्वारा रचाए गए षड्यंत्र से जिसमें पुलिस और मनपा प्रशासन की मिली भगत के कारण ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से तोड़क कार्रवाई की गई है और हम लोगों को बेरोजगार कर सड़कों पर अपने परिवार समेत रहने पर मजबूर कर दिया क्योंकि तोड़क कार्रवाई के दूसरे दिन अटलांटा बिल्डर की तरफ से हमारी जगह पर पत्रा मारकर जगह को अपने कब्जे में लिया जा रहा था और अटलांटा बिल्डर की तरफ से महिला बाउंसर रखे गए थे जिनको निर्देश दिया गया था कि किसी प्रकार का कोई भी निर्माण कार्य इस जगह पर दोबारा नहीं किया जाए जबकि हमारी जगह खरीदी हुई है हमारे पास जगह के सारे दस्तावेज हैं फिर भी हमें हमारी जगह से जबरन हटाया जा रहा है दुकानदारों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि कृपया उनकी मदद की जाए और जिस तरह से अटलांटा बिल्डर की दादागिरी के कारण उन्हें उनकी जगह से हटाया जा रहा है उसे पर रोकथाम लगाई जाए यह निवेदन किया गया है।

# मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई फटकार के बावजूद भी ठाणे मनपा द्वारा नहीं दाखिल किया गया हालफनामा

**उच्च न्यायालय द्वारा गठन की गई कमिशन रिपोर्ट ने किया सनसनीखेज खुलासा, पीपीपी के माध्यम से निजीकरण कर चलाया जाएगा सरकारी अस्पताल, सरकारी अस्पताल को लेकर टोटल फेलियर रहे विधायक जितेंद्र आव्हाड मुंब्रा शहर की जनता को दिया सिर्फ लॉलीपॉप : आरटीआई कार्यकर्ता हनीफ कामदार**

**मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान**

**मुंब्रा।** बीते 27 सितंबर बुधवार को मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा ठाणे मनपा प्रशासन को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए गए की स्वतंत्र सैनिक हकीम अजमल खान सरकारी अस्पताल की स्थिति की जानकारी के लिए एक कोर्ट कमीशन का गठन किया जाय जिसमें अनुभवी डाक्टर जेजे अस्पताल के डीन की नियुक्ति के साथ एक कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी विभाग का और एडवोकेट मिनाज ककलिया को नियुक्त कर 8 नवंबर बुधवार तक रिपोर्ट पेश करने की सक्त हिदायत दी थी जिसके बाद कोर्ट कमिशन कमिटी द्वारा सनसनीखेज खुलासा अपनी रिपोर्ट में पेश किए गए जिसमें सारी सच्चाई खुलकर सामने आ गई और दूध का दूध पानी का पानी हो गया कोर्ट कमिशन की डॉ उषा बडोले, संदीप चौहान कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी विभाग, और एडवोकेट मिनाज ककलिया द्वारा पेश किए रिपोर्ट में उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो 100 बेड का अस्पताल है उसे अब तक शुरू ही नहीं किया गया है जो सुविधा फिलहाल दी जा रही है जैसे मेटरनिटी वार्ड और एमएम वैली यूपीएमसी जो पहले किसी अस्पताल में थी उसे स्थानांतरण कर इस सरकारी अस्पताल में शुरू किया गया है,जो सुविधा अस्पताल में देना चाहिए था उसका हिस्सा यह नहीं है, यह सरकारी अस्पताल को प्लैटिनम अस्पताल को निजीकरण कर ठेका पर दिया गया है जिसमें यह कहा गया है की अस्पताल में उपयोग होने वाली तमाम मशीनरी को प्लैटिनम अस्पताल द्वारा प्रदान की जाएगी जो अब तक नहीं की गई है, ओपीडी की मुंब्रा शहर में सख्त जरूरत है अगर अस्पताल पूरी तरह से जल्द शुरू किया गया तो शहर की जनता इस सरकारी अस्पताल का लाभ उठा सकती है, 29 नवंबर बुधवार को ठाणे मनपा प्रशासन और राज्य सरकार को इस रिपोर्ट पर जवाब देने होंगे, गौरतलब बात तो यह है अब तक ठाणे मनपा प्रशासन की ओर से मुंबई उच्च न्यायालय में हलफनामा तक दाखिल नहीं किया गया है, मुंबई उच्च न्यायालय ने जो सरकारी अस्पताल को बतौर निजीकरण प्लैटिनम अस्पताल को ठेका दिया है उसके वर्क आर्डर पर रोकथाम लगा दी गई है, उच्च न्यायालय द्वारा गठन की गई कमिशन रिपोर्ट ने बताया गया कि जून 2022 में ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा दाखिल किया गया हलफनामा में यह जानकारी दी गई थी कि सरकारी

अस्पताल में उपयोग होने वाली तमाम मशीनों के साथ बेहतर तरीके से सरकारी अस्पताल को शुरू कर दिया गया है उसके बाद दूसरा हलफनामा अप्रैल 2023 में ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा दाखिल कर उच्च न्यायालय को यह बताया गया था कि अस्पताल में स्टाफ और डॉक्टर की कमी के साथ अस्पताल में उपयोग होने वाली तमाम मशीनों के लिए 45 करोड रुपए की आवश्यकता है आपको बताते चले जिस प्रकार दो हलफनामा ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से दाखिल किया गया था उसमें काफी अंतर नजर आता है जिससे यह सिद्ध होता है कि सरकारी अस्पताल को अब तक पूरी सुविधाओं के साथ शुरू नहीं किया गया है, कमिशन कोर्ट की 68 पन्नू की रिपोर्ट पेश की है जिसका जवाब ठाणे मनपा प्रशासन को और राज्य सरकार को देने होंगे एपीसीआर संस्था के सदस्य एडवोकेट अबूजैद इराकी द्वारा यह जानकारी दी गई संस्था द्वारा उठाए गए कदम से शहर में सरहाना की जा रही है वहीं दूसरी ओर आरटीआई कार्यकर्ता हनीफ कामदार ने सरकारी अस्पताल में हुए 260 करोड रुपए के भ्रष्टाचार के बावजूद और अब तक शहर वासियों के लिए पूरी सुविधाओं के साथ शुरू नहीं किया गया सरकारी अस्पताल को लेकर विधायक जितेंद्र आव्हाड पर बरसते हुए नजर आए उन्होंने कहा की अस्पताल में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार करने के बावजूद भी सरकारी अस्पताल को अब तक शहर वासियों के लिए पूरी सुविधाओं के साथ में शुरू नहीं किया गया उन्होंने विधायक जितेंद्र आव्हाड पर निशाना साधते हुए कहा की जितेंद्र अवार्ड अस्पताल के मामले में पूरी तरह से फैलियर रहे उन्होंने कभी कोशिश ही नहीं की मुंब्रा, दिवा,कलवा, की जनता को एक बेहतर सरकारी अस्पताल मिल जाए जिससे उन्हें लाभ हो उन्हें कलवा जाने की आवश्यकता ना पड़े लेकिन विधायक जितेंद्र आव्हाड को तो सिर्फ भ्रष्टाचार करना था और मुंब्रा शहर वासियों को गुमराह करना था इसके अलावा कुछ नहीं विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मुंब्रा की शहर की जनता के साथ सिर्फ विश्वास घात किया है उसने कभी मुंब्रा शहर वासियों के बारे में नहीं सोचा अगर सोचा होता तो आज मुंब्रा शहर को बेहतर सरकारी अस्पताल मिला होता जिसे पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) करने की आवश्यकता नहीं पड़ती फिलहाल अब मामला मुंबई उच्च न्यायालय में विचार अधीन है अब देखना यह है की अगली सुनवाई में मुंबई उच्च न्यायालय का क्या निर्णय आता है यह देखने वाली बात होगी।

## (पृष्ठ 1 का समाचार)

### मुंबई में टिकटों की कालाबाजारी

मुंबई पुलिस ने इसका पर्दाफाश किया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, दरअसल ये शख्स टीम इंडिया बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच के टिकट मूल कीमत से चार से पांच गुना ज्यादा कीमत पर बेच रहा था, जो आप पुलिस के हाथ गलगा है। इस गिरफ्तार आरोपी का नाम आकाश कोठारी है। मुंबई पुलिस ने जाल बिछाया और उन्हें मलाड स्थित उनके घर से हिरासत में लिया। साथ ही इसकी गहनता से जांच की गई है। ऐसे में अब देखना यह होगा कि ऐसे ब्लैक में टिकटें बेचने वाले और कौन है। मुंबई पुलिस को मिली जानकारी के आधार पुलिस ने जाल बिछाया और आरोपी को मलाड स्थित उसके आवास से हिरासत में ले लिया और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। दरअसल15 नवंबर को मुंबई पुलिस को सूचना मिली थी कि भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच के टिकटों की कालाबाजारी कर क्रिकेट मैच के आयोजकों को चूना लगाया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त डॉ. के अनुसार प्रवीण मुंडे के आदेश से जे.जे थाने में मामला दर्ज कराया गया है। उस व्हाट्सएप मैसेज में विभिन्न स्लॉट के टिकट रेट दिए गए थे। आरोपी को हिरासत में लिया गया और कानूनी नोटिस देने के बाद रिहा कर दिया गया। अब सवाल उठता है की इस तरह कितने लोग मैच के टिकिटों की कालाबाजारी कर रहे है।

### दिवाली की रात पुणे में आग का तांडव

फायर ब्रिगेड ने बताया कि इन घटनाओं में कोई भी घायल नहीं हुआ है। लक्ष्मी पूजन के दिन रविवार की शाम शहर में जगह-जगह आतिशबाजी की गयी। इस दौरान कुछ नागरिकों की लापरवाही के कारण आग लगने की घटनाएं हुई। जानकारी के मुताबिक, रात 7:30 बजे से रात 10 बजे तक फायर ब्रिगेड के कंट्रोल रूम में आग लगने की 16 सूचनाएं आईं। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे पेठ में पुलिस थाने के सामने खाली संपत्ति में आग लग गयी। इसके बाद वाघोली-बायफ रोड पर ब्लू स्काई सोसायटी की 10 मंजिला इमारत के एक फ्लैट में आग लग गई। इन घटनाओं में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल दिवाली के दौरान आतिशबाजी के कारण शहर में आग लगने की 17 घटनाएं हुई थीं।

### सलमान खान के फैंस ने थिएटर में फोड़े पटाखे

मालेगांव पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नासिक जिले में मालेगांव छावनी इलाके में स्थित मोहन सिनेमा में रविवार रात को फिल्म के एक शो के दौरान प्रशंसकों ने पटाखे फोड़े। इससे दर्शकों के बीच डर का माहौल बन गया। उधर, सलमान खान ने इस घटना की आलोचना की है। सलमान खान ने कहा, मैंने 'टाइगर 3' के दौरान थिएटर में पटाखे फोड़ने के बारे में सुना। यह बहुत ही खतरनाक है। खुद को और दूसरों को खतरे में डाले बिना फिल्म का आनंद लें। सुरक्षित रहें। स्थानीय पुलिस आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 435 (नुकसान पहुंचाने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से शरारत) और 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य) के तहत मामला दर्ज कर रही है। वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। सिनेमा हॉल के अंदर पटाखे फोड़ने पर मालेगांव के एएसपी अनिकेत भारती ने कहा, मामला दर्ज किया जा रहा है...मैं पुलिस की तरफ से ऐसी हरकत नहीं करने की अपील करता हूं...मोहन थिएटर को भी नोटिस दिया गया है, जिसमें एहतियात बरतने को कहा गया है। अगर उनकी तरफ से कोई गलती पाई गयी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी...।

### म्यामांर में एयरस्ट्राइक की वजह से भारतीय सीमा में घुसे 2,000 नागरिक

विद्रोही गुटों पर लगाम लगाने के लिए म्यांमार जुंटा पूरी ताकत लगा रही है। इसके चलते म्यांमार जुंटा ने चिन राज्य में एयरस्ट्राइक कर दी। इससे इलाके में हालात बेकाबू हो गए हैं। गोलीबारी का दौर पहले से ही चल रहा था और एयरस्ट्राइक ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। एयरस्ट्राइक का निशाना खावमावी और रिहखावदार में दो सैन्य ठिकाने रहे, लेकिन हमले का असर सामान्य लोगों पर भी पड़ रहा है। लेकिन म्यांमार में स्थिति बिगड़ने का असर भारत पर भी पड़ रहा है। म्यांमार भारत का पड़ोसी देश है। भारतीय राज्य मिजोरम के 6 जिलों चम्फाई, सियाहा, लांग्टलाई, सेरछिप, हनाथियाल और सैतुअल की 510 किलोमीटर लंबी बॉर्डर म्यांमार से जुडी हुई है। म्यांमार में गोलीबारी, बमबारी और एयरस्ट्राइक के चलते वहाँ के लोगों में दहशत का माहौल है। कई सामान्य लोग इन हमलों में घायल भी हुए हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि हमलों से बचने के लिए म्यांमार के 2,000 से ज्यादा नागरिकों ने भारत की बॉर्डर पर करते हुए भारत में घुस गए।

## 'प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत' की स्थापना के 05वें वर्ष तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर 2023 के उपलक्ष्य में पत्रकार होंगे सम्मानित

**मुंबई।** पत्रकार सुरक्षा एवम कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन 'प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत' अपनी स्थापना के 05वें वर्ष तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16नवंबर 2023के उपलक्ष्य में देश भर के पत्रकारों के आवेदन आवेदन आमंत्रित किए थे। जिसमे अंतिम दिवस 10नवंबर 2023की शाम तक प्राप्त आवेदन पत्रों में से चयन उपरांत निम्न नामों की घोषणा की गई। देवर्षि नारद सम्मान 2023 छत्तीसगढ़ निवासी 50 वर्ष से अधिक समय से पत्रकारिता से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल वोहरा। धार मध्य प्रदेश निवासी वरिष्ठ

पत्रकार श्री सैयद रिजवान अली। गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति सम्मान, 25वर्ष से अधिक समय से पत्रकारिता का अनुभव रखने वाले छत्तीसगढ़ निवासी वरिष्ठ पत्रकार श्री पूर्णचंद्र रथ। संगठन द्वारा अपने विवेक से इस वर्ष का

युवा पत्रकारिता का सम्मान 05वर्ष से तक से पत्रकारिता का अनुभव। पत्रकार युवा गौरव सम्मान, कोलकाता निवासी महिला पत्रकार स्नेहा रॉय तथा सांगली महाराष्ट्र निवासी पत्रकार संपत राव जाधव को दिया गया है।

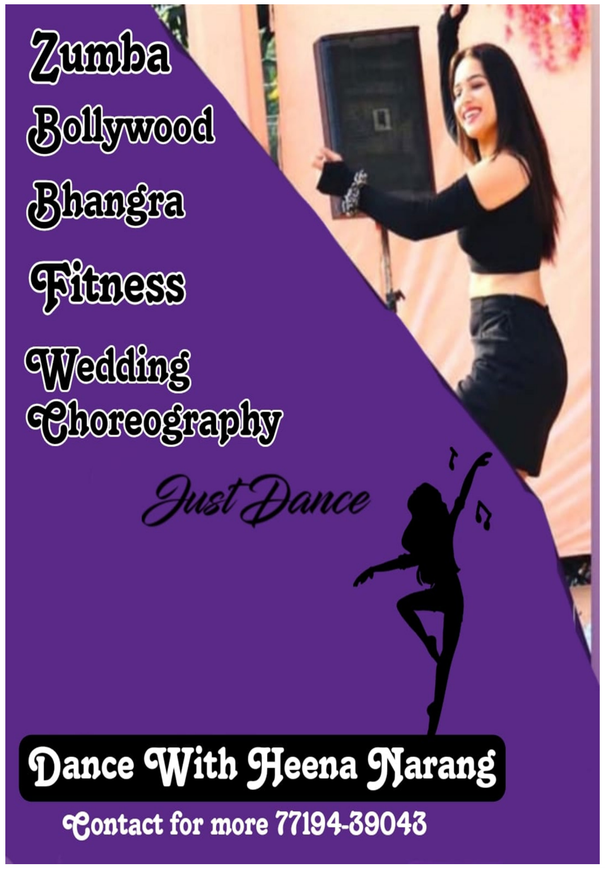


# बीमा कंपनियां गलत तरीके से पॉलिसी की बिक्री पर लगाएं लगाम

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली क्षेत्र की बीमा ओम्बुड्समैन सुनीता शर्मा ने सोमवार को कहा कि बीमा कंपनियों को बीमा पॉलिसी की गलत तरीके से बिक्री पर लगाम लगाने की जरूरत है।

■ ग्राहकों के कारण की कंपनियों का अस्तित्व है

उन्होंने कहा कि ग्राहक ही राजा हैं और ग्राहकों के कारण ही बीमा कंपनियां अस्तित्व में हैं। कंपनियों को उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। एलआईसी की पूर्व प्रबंध निदेशक रहीं सुनीता शर्मा ने कहा कि आमतौर पर ग्राहकों को बीमा पॉलिसी देखने और उस पर विचार के लिये जो छूट अवधि होती है, उस समय तक संबंधित कंपनियां उनसे जुड़ी रहती हैं और उसके बाद गायब हो जाती हैं। इसके कारण ग्राहक उसके बाद गलत बिक्री का दावा नहीं कर सकते।

### बीमा ओम्बुड्समैन शर्मा ने कंपनियों से कहा

#### दस्तावेज समय पर नहीं आता

बीमा लोकपाल जीवन और गैर-जीवन बीमा कंपनियों के खिलाफ लोगों की शिकायतों के निपटान के लिये एक अर्ध-न्यायिक शिकायत निवारण व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यह पाया गया है कि बीमा कंपनियों से पॉलिसी के नियम एवं शर्तों से जुड़ा दस्तावेज (सेल्फ कंटेन्ड नोट) समय पर नहीं आता है।

#### बीमा लोकपाल ने 92 फीसदी शिकायतें निपटाई

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सभी 17 बीमा लोकपाल कार्यालयों में प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या 55,946 थी। इनमें से बीमा लोकपाल के कार्यालयों ने 51,625 या 92.28 प्रतिशत का निपटान किया। उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर को 'बीमा लोकपाल' संस्थान की स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

**पॉलिसी वापस करने 15 दिनों का समय मिले :** पॉलिसीधारकों को अपने नियमों और शर्तों की समीक्षा करने और स्वीकार्य नहीं होने पर उन्हें वापस करने के लिये पॉलिसी प्राप्त होने की तारीख से कम से कम 15 दिन का समय मिलता है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ली गयी पॉलिसी के मामले में यह अवधि 30 दिन है।

**तीसरे पक्ष के समीक्षा की जरूरत :** ऐसे में यह सलाह दी जाती है कि इन्हें 10 दिन के निर्धारित समय के भीतर ग्राहकों को भेजा जाना चाहिए। सुनीता शर्मा ने कहा कि इसके अलावा तीसरा पक्ष प्रशासकों (टीपीए) की भूमिका की समीक्षा करने की भी जरूरत है क्योंकि कई मामलों में बीमाकर्ता उनसे प्रभावित होते हैं।

## महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के लिए 25 साल के युवक ने पीया जहर, अस्पताल में तोड़ा दम

**मुंबई।** मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मराठों का संघर्ष जारी है। लेकिन, दूसरी ओर आरक्षण के लिए कई मराठा प्रदर्शनकारी चरम कदम उठाकर अपनी जान दे रहे हैं। आरक्षण के लिए आत्महत्याओं का दौर थम नहीं रहा है। आरक्षण के लिए एक और युवक ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। खबर है कि नंदिड के एक 25 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। यह घटना मरलक में हुई, जो नंदिड के करीब है। मृत युवक का नाम दाजीबा रामदास शिंदे है। 11 नवंबर को जहर खाने के बाद दाजीबा को नंदिड के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। युवक के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में दाजीबा शिंदे ने अपनी मौत की वजह मराठों को आरक्षण नहीं मिलना बताया है। पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### सितंबर तक 417 परियोजनाएं चालू थी, देरी और अन्य कारणों से लागत में वृद्धि

# बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की लागत 4.77 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 417 परियोजनाओं की लागत इस साल सितंबर तक तय अनुमान से 4.77 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखता है। मंत्रालय की सितंबर, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,763 परियोजनाओं में से 417 की लागत बढ़ गई है, जबकि 842 अन्य परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,763 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 24,86,402.70 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके बढ़कर 29,64,345.13 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.22 प्रतिशत यानी 4,77,942.43 करोड़ रुपये बढ़ गई है।''

### सभी परियोजनाएं 150 करोड़ से अधिक की

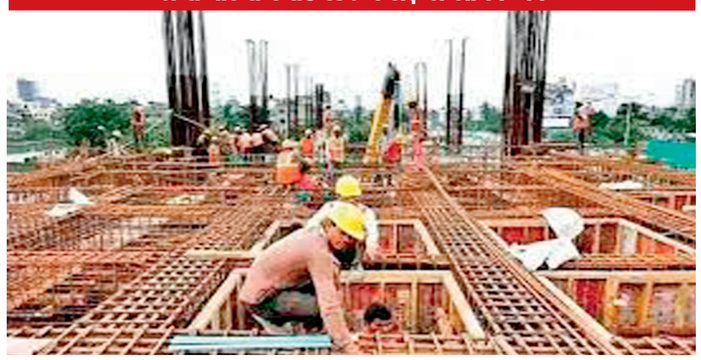

#### देरी के लिए बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख

इन 842 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.94 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है।

#### कानूनी व अन्य दिक्कतें भी

इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

#### अनुमानित लागत का 52.11 फीसदी खर्च

इसमें कहा गया है कि सितंबर, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,44,600.67 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 52.11 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 617 पर आ जाएगी।

#### 194 परियोजनाएं एक साल देर से चल रही

रिपोर्ट में 298 परियोजनाओं के चालू होने के साल की जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 842 परियोजनाओं में से 194 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 190 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 323 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 123 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं।

## मौलाना अबुल कलाम आजाद नेशनल ऊर्दू युनिवर्सिटी में आयोजित हुआ शिक्षक दिवस

मोहम्मद सालिम आजाद

**मधुबनी।** मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के दरभंगा पॉलिटिकल कॉलेज में मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन पर हर साल की तरह इस साल भी 11 नवंबर को शिक्षक दिवस मनाया गया। ज्ञात हो कि दरभंगा पॉलिटिकल कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। आजाद दिवस के मौके से कुछ दिन पहले यानी 6 नवंबर से ही ये चल रहे थे। इन प्रतियोगिताओं में पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर (सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर शाखा) के छात्रों ने पोस्टर मेकिंग, लेखन और भाषण प्रतियोगिता, मॉडल प्रस्तुति, कैरम, बैडमिंटन, क्रिकेट और वॉलीबॉल आदि में भाग लिया। विजेताओं को 11 नवंबर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समारोह की शुरूआत तीसरे सेमेस्टर के छात्र सैयद इमरान द्वारा पवित्र कुरान का पाठ करके की गई और सिविल विभाग के अध्यक्ष वसीम अनवर, मनु पॉलिटिकनिक ने प्रारंभिक भाषण में सभी घटनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, स्कूल विशिष्ट अतिथि के रूप में टेक्नोलॉजी

विभाग के डीन डॉ. अब्दुल वाहिद ने अपने संबोधन में दरभंगा सेंटर के सभी कर्मियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सभी बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करना आसान नहीं है।

सभी बच्चे एवं इसे सफल बनाने के लिए पोलितनिक के शिक्षक बधाई के पात्र हैं। इस कार्यक्रम में मनु कॉलेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन के प्रिंसिपल प्रोफेसर फैज अहमद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने विचारपूर्ण संबोधन में उन्होंने बच्चों से ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने को कहा. उन्होंने छात्र एवं छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी. इस अवसर पर मनु पोलितनिक दरभंगा के प्राचार्य डॉ. अंजय अदिपु ने भी अपनी बात रखी. उन्होंने मौलाना अबुल कलाम आजाद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शिक्षा को याद रखना महत्वपूर्ण है. मौलाना आजाद द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किया गया कार्य उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने आईआईटी जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक केंद्रों की स्थापना में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उनकी दूरदर्शिता है। और यह एक वैज्ञानिक प्रगति का प्रमाण। ज्ञात हो कि सभी आजाद दिवस के संयोजक मनुपोलिटिकनिक दरभंगा में भौतिकी के सहायक प्रोफेसर डॉ. साबिर अली थे। सभी शिक्षक एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

# लगातार दूसरे दिन पीएम मोदी ने किया सीएम धामी को फोन

## उत्तरकाशी टनल में चल रहें रेस्क्यू कार्य की ली जानकारी

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**देहरादून।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से फोन के माध्यम से उत्तरकाशी के सिल्क्यारा के पास टनल में फँसे श्रमिकों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न राज्य और केंद्रीय एजेंसियां परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया और बचाव कार्यों पर लगातार नजर रखें हैं। बचाव कार्य के लिए बड़े व्यास के ह्यूम पाइप हरिद्वार और देहरादून से भेजे जाने की व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। अब तक प्रधानमंत्री दो बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और रेल मंत्री भी सीएम धामी से बात कर चुके हैं। केंद्रीय एजेंसियां और एक्सपर्ट मौके पर मौजूद हैं।

# सुरंग में फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकालना पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**उत्तरकाशी।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकालना हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। घटना के बाद से ही लगातार अधिकारियों से अपडेट ले रहे मुख्यमंत्री ने आज पूर्वाह्न सिलक्यारा पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बचाव एवं राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री धामी ने सुरंग में पहुंचकर अधिकारियों से हादसे के सम्बंध में पूरी जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग में मलबा हटाने का काम तेजी से जारी है। पूरी रात रेस्क्यू चला है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे और विशेषज्ञों की टीमें मौके पर जुटी है। सुरंग में फंसे लोग पूरी तरह ठीक हैं और उनसे बात भी हो रही है। उन्होंने प्रभावितों के परिजनों को आश्वस्त किया कि सुरंग में फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकालने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारें गंभीर हैं।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रेलमंत्री ने भी इस सम्बंध में बात की है। प्रधानमंत्री ने बचाव और राहत कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी लेते हुए प्रदेश सरकार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पूरी तरह आश्वस्त हैं कि सुरंग में चल रहा रेस्क्यू जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा और वहां फंसे सभी 40 लोगों को जल्द ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा।

# यहां सुर्ती नहीं मिली तो महिला चढ़ी विद्युत टावर पर, पुलिस के फुले हाथ पाँव

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**हल्द्वानी।** एक महिला के विद्युत टावर पर चढ़ जाने से पुलिस के हाथ पांव फूल गए लालकुआं में सोमवार उसे समय हड़कंप मच गया जब अर्ध विक्षिप्त एक महिला विद्युत विभाग के हाई पावर टावर में चढ़कर शोर शराबा करने लगी महिला का शोर शराबा सुन लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद लगभग ढाई घंटे की मशक्कत के बाद उक्त महिला को रस्सी के सहारे विद्युत टावर से नीचे उतारा गया तब जाकर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली सबसे सौभाग्य की बात तो यह रही कि उक्त टावर में घटना के समय विद्युत आपूर्ति नहीं थी जिससे महिला की जान बच गयी। बताया जा रहा है कि लाल कुआं नगर पंचायत कार्यालय के

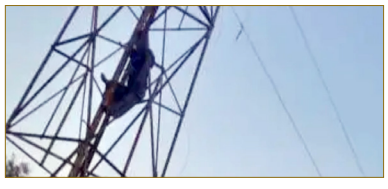

पास बने बारात घर सोमवार को एक अर्ध विक्षिप्त अज्ञात महिला वार्ड नंबर एक स्थित ग्रीन पार्क में लगे हाई टेंशन विद्युत टावर में चढ़कर शोर शराबा करने लगी उक्त महिला को टावर में चढ़ा देख पार्क में टहल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में 112 सेवा को सूचना दी. बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने महिला से नीचे उतरने का अनुरोध किया परंतु वह उतरने को कतई तैयार नहीं थी. जिसके बाद कुछ युवाओं को टावर में चढ़ाया गया. जैसे ही युवक महिला के नजदीक पहुंचे तो महिला ने पहले सुरती की मांग की. सुरती खिलाने के बाद महिला ने बिस्किट मांगा इसके बाद आनन फानन में बिस्किट मंगाया गया. बिस्किट खाने के दौरान महिला ने टावर में चढ़े अन्य युवकों को भी बिस्किट खिलाया वह टावर न उतरने की जिद करने लगी बमुश्किल महिला को समझाया गया तथा एक रस्सी मंगाकर रस्सी के सहारे महिला को मुश्किल से नीचे उतारा गया तब जाकर पुलिस प्रशासन सहित लोगों ने राहत की सांस ली. विद्युत विभाग के अवर अभियंता इंतजार अली ने बताया कि घटना के समय हाई पावर विद्युत टावर में विद्युत आपूर्ति नहीं थी जिसके चलते कोई अनहोनी नहीं हुई।

## गौरीकुंड -केदारनाथ पैदल मार्ग हादसा, पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से घोड़ा संचालक की मौत

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**चमोली** जनपद निवासी 22 वर्षीय मनीष, केदारनाथ से यात्री को छोड़कर घोड़े के साथ लौट रहा था। तभी अचानक पहाड़ी से पत्थर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से मनीष की मौत हो गई। बीते रविवार को गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर भैरव गदेरा में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक घोड़ा संचालक की मौत हो गई है। चमोली जनपद निवासी 22 वर्षीय मनीष, केदारनाथ से यात्री को छोड़कर घोड़े के साथ लौट रहा था। भैरव गदेरे के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया शव को पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को परिजनों को सौंपा दिया गया।

## केक काटकर भाजपाइयों ने बनाया कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का जन्मदिन

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**सितारगंज।** उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सितारगंज से युवा विधायक सौरभ बहुगुणा का जन्मदिन भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने सितारगंज के श्री रामलीला मैदान में केक काटकर बनाया गया इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की दीर्घायु की कामना की सितारगंज स्थित रामलीला मैदान में ही भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट जीएस बेदी ने गरीब असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को निशुल्क लंगर के माध्यम से कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का जन्मदिन मनाया वही पसमा जा समाज के प्रदेश अध्यक्ष सरफराज अंसारी के नेतृत्व में सितारगंज स्थित बली नगर में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का जन्म दिवस केक काटकर धूमधाम से मनाया वहीं उनकी लम्बी आयु के लिए दुआएं भी की गई।

## गहरी खाई में गिरा वाहन, एसडीआरएफ ने 5 घायलों को किया रेस्क्यू, एक शव को भी किया बरामद

**मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल**

**नैनिताल।** सोमवार को जनपद नैनीताल, चौकी खैरना से समय 0412 बजे सूचना मिली कि जौरासी खैरना के पास एक बोलेरो वाहन खाई में गिर गया है। जिसमे रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ की आवश्यकता है। उक्त सूचना पर एसडीआरएफ पोस्ट खैरना से मुख्य आरक्षी दिनेश पुरी के हमराह रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल हेतु रवाना हुई। घटनास्थल पहुंचकर टीम द्वारा देखा गया कि एक इको वाहन सड़क से नीचे खाई में गिरा हुआ है। एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा बिना वक़्त गवाए तुरन्त खाई में उतरकर वाहन तक पहुंच बनाई गयी। वाहन में 6 लोग सवार थे जिसमें से पांच घायल अवस्था मे थे जबकि एक कि घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी। एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा रात्रि के अंधेरे में अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए पांचों घायलों को रेस्क्यू कर खाई से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जबकि मृत वक्ति के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।

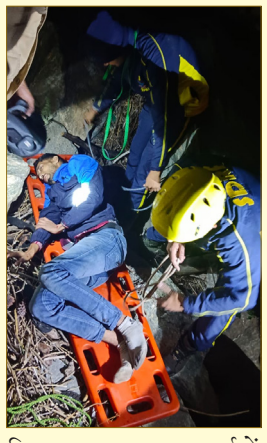

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# रॉनी रोड्रिग्स ने दिया हाउसकीपिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों को दिवाली का विशेष उपहार

## दीपक तिजोरी, आरती नागपाल, दिलीप सेन की रही उपस्थिति

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** दिवाली भारतीयों के लिए एक विशेष त्योहार है और इसे सभी लोग बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं। माहौल में खुशी है क्योंकि रौशनी का त्योहार है। पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज, जिसमें हाल ही में पीबीसी एजुकेशन एंड फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हुई है, के सीएमडी श्री रॉनी रॉड्रिग्स हमेशा इस त्योहार को अपने आसपास के वंचित लोगों के साथ मनाते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने पूरे धीरज हेरिटेज परिसर के हाउसकीपिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों और छोटे कर्मचारियों की खुशी का स्तर बढ़ाया, जहां पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज और पीबीसी एजुकेशन एंड फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय स्थित हैं। अभिनेता दीपक तिजोरी खराब स्वास्थ्य के बावजूद इस समारोह में शामिल हुए क्योंकि वह इस कार्यक्रम के प्रशंसक थे। उन्होंने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि आज के युग में भी रॉनी रॉड्रिग्स जैसे लोग दूसरे लोगों की

खुशी को सबसे ऊपर रखते हैं। मैंने इन सभी लोगों के चेहरे खुशी से चमकते हुए देखे हैं। रॉनी रॉड्रिग्स का भाव प्रेरणादायक है और मैं इस दिलचस्प व्यक्तित्व से मिलकर अभिभूत हूं।

अभिनेता पंकज बेरी, आरती नागपाल, ज्योति सक्सेना, निर्माता नीलेश मल्होत्रा, गायक-अभिनेता अरुण बख्शी और संगीतकार दिलीप सेन इस पहल का सपोर्ट करने के लिए उपस्थित थे। रॉनी रॉड्रिग्स की उपलब्धि में एक और उपलब्धि यह है कि वह एकमात्र बॉस हैं जो अपने ऑफिस बॉय, मैसेंजर, ड्राइवर आदि सहित पूरे स्टाफ को विदेश छुट्टी पर ले जाते हैं। इस वर्ष भी, वह पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज, सिनेबस्टर और पीबीसी एजुकेशन एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के कर्मचारियों का एक पूरा स्टाफ लेकर दिवाली मनाने के लिए लंदन जा रहे हैं। उसी के बारे में सवाल करने पर, उन्होंने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, मैं कुछ लेने के बजाय देने में विश्वास करता हूं। इन सभी लोगों से जो आशीर्वाद मुझे मिलता है उससे उत्कृष्टता प्राप्त करने की अतिरिक्त शक्ति मुझे मिलती है। भगवान ने मुझे वंचितों की मदद करने के लिए अपने दूत के रूप में चुना होगा। मैं इस अवसर पर आप सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

दैनिक
# मुंबई हलचल
मुंबई, मंगलवार
14 नवंबर, 2023

15
November

HAPPY
# Birthday

## MR. SUHAIL KHANDWANI

Managing Trustee Mahim Dargha Trust
Turstee Haji Ali Dargha Trust

www.mumbaihalchal.com mumbaihalchal@gmail.com https://www.facebook.com/mumbaihalchal.halchal